

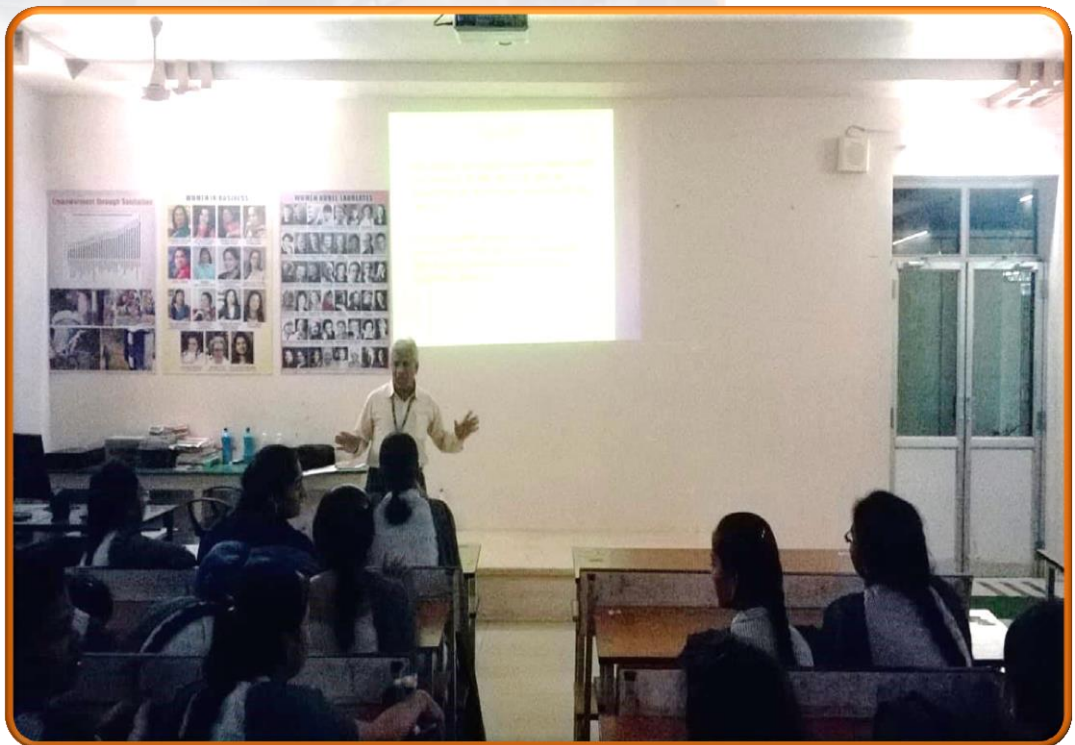
CAREER ORIENTATION PROGRAMME

ORGANIZED BY: DEPARTMENT OF HINDI

30TH JUNE, 2019



Career Opportunities in Hindi by Sri Md. Jalaluddin, Lecturer in Hindi



(38)

3/06/2019 BY P-1
Md. MALALUDDIN

भारत देश में हिन्दी ^{भाषा} में उच्चतर या उन्नत विद्या के अध्ययन से विद्यार्थियों को प्रयोजन
या

भारत देश में हिन्दी भाषा के अध्ययन से
वैरोजगारी दूर कर सकते हैं।

आन्ध्र प्रदेश के कृष्णा जिला (विजयवाडा)

काकरपति भावनारायणा कालेज (के.बि.फान,
कालेज में दिनांक 26/06/2019 और
27/06/2019. यह दो दिनों में महाविद्यालय
के हिन्दी विभाग ने हिन्दी भाषा के माध्यम से
उच्चतर विद्या का अध्ययन करने से विद्यार्थियों
को किस प्रकार के नौकरिया मिल सकते हैं। इस
मुद्दे को या इस विषय को लेकर (पि.पि.टी.)

एक कार्यक्रम या प्रोग्राम आयोजित किया गया
या चलाया गया। यह कार्यक्रम बीकाम,
बी सी डा. बि.बि.फा. के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों
को कक्षा में या नजर में रख कर किया गया।

हिन्दी भाषा के अध्ययन से प्राप्त होने वाले नौकरिया
और प्रयोजन के बारे में जानकारी दिया गया।

1. इस बिम्हा विद्यालय में पढ़ाई समाप्त करने के बाद

पि.टी.

हिन्दी भाषा के माध्यम से हिन्दी पंडित, हिन्दी^{F-2}भाषा में बी. इ. डी, एम. इ. डी. डि. ई. डी. आदि कोर्स विषयपढ़कर भारत देश के केन्द्रीय विद्यालयों में और अन्य देश के विद्यालयों में, सरकारी विद्यालयों में और प्रिवेट स्कूलों में नौकरिया प्राप्त कर के अच्छे वेतन पा सकते हैं।

2. यमुना विश्वविद्यालय, केरला विश्वविद्यालय, अण्डा विश्वविद्यालय, कोरमबानिथा विश्वविद्यालय, ³ वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, हैदराबाद, सेंट्रल यूनिवर्सिटी, काकतीय विश्वविद्यालय, भारत देश के अन्य विश्वविद्यालय, दक्षिण भारतीय हिन्दी प्रचार सभा, आन्धा विश्वविद्यालय, लनका विश्वविद्यालय, जामिया ~~मिलिया~~ मीनिया विश्वविद्यालय, जेवहरलाल नेहरू, दिल्ली विश्वविद्यालय, बनारस विश्वविद्यालय, साकेत विश्वविद्यालय, भारत देश के अन्य हिन्दी प्रचार सभाओं और भारत देश के अन्य विश्वविद्यालयों में एम. फां. हिन्दी, एम. फिल, पी. हेच. डी, आदि विषय या कोर्स का अध्ययन करने से विद्यालयों में, विश्वविद्यालयों में अच्छे नौकरियों को अच्छे वेतन के साथ प्राप्त कर सकते हैं।

3. हिन्दी से अंग्रेजी में, अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद डिप्लोमा इन ट्रान्सलेशन कार्य करने से हिन्दी आफीयर के रूप में देश के सरकारी कार्यालयों में, विदेशों में भारतीय दूतावास में अच्छे नैकरिया और देशी, या विलयती

तनशा या वेतन प्राप्त कर सकते हैं। बकों से अच्छे नैकरिया प्राप्त कर सकते हैं, रेलवे, सिविल सेवा आदि में नैकरिया प्राप्त कर सकते हैं।
4. हिन्दी भाषा का ज्ञान प्राप्त करने से या पढ़ाई पढ़ने से टी. वी. स्कानलों में न्यूयरीटर या थांकर, आरटिस्ट के रूप में स्क्रिप्ट राइटर के रूप में नैकरिया प्राप्त कर सकते हैं।

5. भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में बालीउड में - कहानीकार, गीतकार, निर्देशक, स्क्रिप्ट राइटर आदि के कलाकारों के रूप में काम कर सकते हैं अच्छे आमदनी को वाटण या प्राप्त कर सकते हैं।

6. हिन्दी भाषा के ज्ञान से या उच्चतर विद्या के अध्ययन से राजनीतिक नेता भी बन सकते हैं।

7. हिन्दी भाषा के अध्ययन से अच्छे साहित्यकार भाषा विज्ञानी, विमर्शक, रचनाकार, कवि, कहानीकार, उपन्यासकार, निबंधकार, नाटककार सिनेमा के ~~रचनाकार~~ रचनाकार, गीतकार आदि बन सकते हैं।

8) भारत देश में अनेक प्रकार के 'दैनिक' समाचार पत्र पत्रिकाएँ, हर दिन आने वाले, आठ दिनों, हफ्ते में, आने वाले, पाक्षिक में आने वाले, हर मास में आने वाले हर तीन महीनों में आने वाले, छ. महीनों में आने वाले, वार्षिक हर वर्ष आने वाले हिन्दी भाषा के पत्र, पत्रिकाएँ देश विदेशों में हैं। अच्छे विषयों को लिख कर, अच्छे रचनाएँ करके अच्छे नौकरियों को प्राप्त कर सकते हैं। आमदनी को भी प्राप्त कर सकते हैं।

9. प्रतिका के रूप में, जर्नलिस्ट के रूप में, न्यूस रिपोर्टर के रूप में हिन्दी भाषा के माध्यम से काम करके नौकरियाँ, आमदनी प्राप्त कर सकते हैं।

10. हिन्दी भाषा के माध्यम से देश की ताकत बढ़ा सकते हैं।

भारतीय संस्कृति के ज्ञान को प्राप्त कर सकते हैं।

रामचरित मानस, कामायनी, साकेत, कबीरदास

शूरदास, तुलसीदास, जयशंकर प्रसाद, मेघदूत

सुमिलानंदन पंत, रामदाशरिचिन्ह दिनकर,

अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध, हरिवंशरायण

महादेवी वर्मा, निराला, आदि महाविद्यालयों को

कविताओं को, रचनाओं को, यांत्रिक शब्दाई, अमीर

खानसरो, मैथिली शरणदास को पढ़कर आने वाले ज्ञान को प्राप्त कर सकते हैं।

जीवन में हिन्दी भाषा हमारी है तो निराशा किस बात की